आकाशवाणी
क्षेत्रीय समाचार
देहरादून (उत्तराखण्ड)
बुधवार– 24.04.2024
समय 1830

मुख्य समाचार :–

- राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने देहरादून में भारतीय वन सेवा परिवीक्षा अधिकारियों के दीक्षांत समारोह को संबोधित किया। जैव–विविधता और प्राकृतिक सुंदरता को संरक्षित करने पर दिया जोर।
- राष्ट्रपति ने राजभवन देहरादून के वर्चुअल टूर का लोकार्पण किया।
- आपदा प्रबंधन पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का छठा संस्करण नई दिल्ली में शुरू। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा– बेहतर कल के लिए लचीले बुनियादी ढांचे में निवेश करना महत्वपूर्ण।
- चारधाम यात्रा मार्गों पर लगभग पचास स्क्रीनिंग प्वांइट्स पर तीर्थयात्रियों को स्वास्थ्य जांच की सुविधा मिलेगी।

राष्ट्रपति संबोधन

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने जैव–विविधता और प्राकृतिक सुंदरता को संरक्षित करने पर जोर दिया है। उन्होंने कहा कि वन तथा वन्य जीवों के संरक्षण और संवर्धन के जरिए यह कार्य बेहतर ढंग से किया जा सकता है। श्रीमती मुर्मू आज देहरादून में इंदिरा गांधी राष्ट्रीय वन अकादमी में भारतीय वन सेवा परिवीक्षाधीन अधिकारियों के दीक्षांत समारोह को संबोधित कर रही थी।

राष्ट्रपति ने भारतीय वन अकादमी के विशेषज्ञों से जलवायु की आपातकालीन स्थिति को देखते हुए प्रशिक्षार्थियों के पाठ्यक्रम में यथोचित संशोधन करने की अपेक्षा की। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि हमारी प्राथमिकताएं मानव केंद्रित होने के साथ–साथ प्रकृति केंद्रित भी होनी चाहिए। श्रीमती मुर्मू ने जलवायु परिवर्तन पर चिंता व्यक्त करते हुए इससे बचाव के लिए वनों के संरक्षण पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि जंगलों के महत्व को जान–बूझ कर भुलाने की गलती मानव समाज कर रहा है। उन्होंने कहा कि मनुष्य, पृथ्वी के संसाधनों के स्वामी नहीं बल्कि संरक्षक हैं।

दीक्षांत समारोह में वर्ष 2022–24 कोर्स के 99 परिवीक्षा अधिकारियों को स्नातक की डिग्री दी गई। इनमें भूटान के दो प्रशिक्षु अधिकारी भी शामिल हैं।

दीक्षांत समारोह– राज्यपाल संबोधन

दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह ने कहा कि यह समारोह राष्ट्रीय वन धरोहर के संरक्षण और प्रबंधन के क्षेत्र में नए योग्य नेतृत्व का उत्थान करने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि भारतीय वन्य जीवन और वन्यजीव अध्ययन में उत्कृष्टता के लिए एक प्रमुख संस्था के रूप में, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय वन अकादमी ने अत्यधिक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। राज्यपाल ने कहा कि वानिकी पेशेवरों के रूप में, अधिकारियों के जीवन का एक महत्वपूर्ण चरण शुरू होने जा रहा है, जहां उत्तराखण्ड, हिमाचल प्रदेश और सिक्किम जैसे राज्यों के विषम क्षेत्रों में वनाग्नि और बाढ़ जैसी आपदाओं से निपटने की चुनौतियाँ सामने होंगी। उन्होंने कहा कि इनका सामना केवल तकनीकी विशेषज्ञता के बल पर नहीं, बल्कि तकनीकी लचीलेपन, बेहतर अनुकूलन क्षमता और संरक्षण के प्रति अटूट प्रतिबद्धता के द्वारा ही किया जा सकता है। राज्यपाल ने कहा कि भारतीय वन सेवा के अधिकारी वनों और प्राकृतिक आवरण के अग्रणी संरक्षक हैं, जिन्हें जनजीवन, जैव विविधता और पर्यावरण की रक्षा करने का दायित्व सौंपा गया है।

राष्ट्रपति लोकार्पण

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने राजभवन देहरादून के वर्चुअल टूर का लोकार्पण किया। इस अवसर पर राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह भी उपस्थित रहे। राजभवन के इस वर्चुअल टूर के माध्यम से लोगों को राजभवन परिसर स्थित बोनसाई गार्डन, नक्षत्र वाटिका, राजप्रज्ञेश्वर महादेव मंदिर, राजभवन आरोग्यधाम, राजलक्ष्मी गौशाला और पुस्तकालय के डिजिटल भ्रमण का अनुभव मिलेगा। यह वर्चुअल टूर दर्शकों को राजभवन देहरादून के विविध और सुंदर प्राकृतिक दृश्यों के साथ जुड़ने का अवसर प्रदान करेगा। वर्चुअल टूर राजभवन की वेबसाइट governoruk.gov.in पर जाकर देखा जा सकता है। इस अवसर पर राज्यपाल ने राष्ट्रपति को अपने ढाई वर्ष के कार्यकाल पर आधारित कॉफी टेबल बुक ''कर्तव्य पथ पर अग्रसर–देवभूमि में सेवा के तीस माह'' भेंट की।

वीडियो संदेश

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि बेहतर कल के लिए मजबूत बुनियादी ढांचे में निवेश जरूरी है। प्रधानमंत्री ने आपदा प्रतिरोधी बुनियादी ढांचे पर छठे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में एक वीडियो संदेश में कहा कि आपदाओं को अक्सर आर्थिक नुकसान की दृष्टि से देखा जाता है लेकिन इनका व्यक्तियों, परिवारों और समुदायों पर वास्तव में बहुत अधिक प्रभाव पड़ता है। उन्होंने नई बुनियादी ढांचा परियोजनाओं और आपदा के बाद पुनर्निर्माण के प्रयासों में मजबूती के पहलू पर जोर दिए जाने की आवश्यकता पर भी बल दिया। श्री मोदी ने कहा कि आपदाओं का प्रभाव सीमाओं से परे होता है और इससे निपटने के लिए देशों के बीच परस्पर सहयोग जरूरी है। दो दिन का यह सम्मेलन आज नई दिल्ली में शुरू हुआ।

चारधाम यात्रा

प्रदेश में चारधाम यात्रा के दौरान तीर्थयात्रियों को और बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं मिलेंगी। स्वास्थ्य सचिव डॉ. आर. राजेश कुमार ने चारधाम यात्रा की तैयारियों को लेकर सचिवालय में पत्रकारों से बातचीत में बताया कि राज्य सरकार बदरीनाथ और केदारनाथ धाम के यात्रा मार्गों पर स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने पर विशेष ध्यान दे रही है। दोनों धामों में स्थित अस्पतालों के लिए उपकरणों की खरीद शुरू हो गई है। इसके साथ ही स्वास्थ्य मित्रों की तैनाती मेडिकल रिलीफ प्वाइंट में की जाएगी। इसके लिए अन्य राज्यों के डॉक्टर भी अपनी सेवाएं दे सकेंगे। यात्रा मार्गों पर जगह–जगह हेल्थ एटीएम स्थापित होने के साथ ही टेलीमेडिसिन की सुविधा भी मिलेगी। उन्होंने बताया कि तीर्थयात्रियों की स्वास्थ्य सुविधा के लिए यात्रा मार्ग पर 50 स्क्रीनिंग प्वाइंट बनाये गये हैं, जहां उनके स्वास्थ्य की जांच की जाएगी।
इसके अलावा चारधाम यात्रा के लिए राज्य सरकार ने 11 भाषाओं में मानक संचालन प्रक्रिया जारी की है, ताकि विभिन्न राज्यों से आने वाले श्रद्धालु, अपनी भाषा में स्वास्थ्य संबंधित दिशा–निदर्शों का पालन कर सकें।

बदरीनाथ धाम निरीक्षण

चमोली के जिलाधिकारी हिमांशु खुराना ने आज बदरीनाथ धाम का निरीक्षण कर यात्रा व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने कार्यदायी संस्थाओं को यात्रा शुरू होने से पहले धाम में बिजली, पानी, स्वास्थ्य सहित अन्य मूलभूत व्यवस्थाओं को सुचारू करने में तेजी लाने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने लूप रोड, आस्था पथ, शेषनेत्र झील, चिकित्सालय के साथ ही मंदिर परिसर और पुरोहित आवास में किए जा रहे कार्यों का निरीक्षण भी किया और मास्टर प्लान के तहत किए जा रहे कार्यों की प्रगति के बारे में जानकारी ली।

स्ट्रॉन्ग रूम व्यवस्था

अल्मोड़ा के जिला निर्वाचन अधिकारी विनीत तोमर ने आज राजनैतिक दलों के प्रत्याशियों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक की। बैठक में राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, फलसीमा में बनाए गए स्ट्रांग रूम की व्यवस्थाओं की जानकारी दी गई। जिला निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार स्ट्रॉन्ग रूम की चौबीस घंटे सीसीटीवी से निगरानी की जा रही है। साथ ही वहां सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। उन्होंने कहा कि अगर कोई राजनैतिक दल या प्रत्याशी स्ट्रॉन्ग रूम की निगरानी करना चाहते हैं, तो उनके लिए भी पर्याप्त व्यवस्थाएं की गई हैं। उन्होंने कहा कि प्रत्याशी स्वयं या अपने प्रतिनिधि के माध्यम से स्ट्रॉन्ग रूम की 24 घंटे निगरानी कर सकते हैं। इसके लिए टीवी स्क्रीन के जरिए स्ट्रॉन्ग रूम की सीसीटीवी फुटेज प्रदर्शित कराई जा रही है।